# प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
# Ancient India History, Culture and Archaeology

बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

## B.A. Part I , II & III Year

पाठ्यक्रम
## Syllabus

सत्र : 2018–19

## Session 2018-19


(डॉ. दिने□ा नंदिनी परिहार ) मिश्र )
सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

( डॉ. अनुप परसाई )
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

( डॉ. नितें□ा कुमार
सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

# कार्यवृत्त
## केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल
## प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
## दिनांक 11.06.2018

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययन शाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज दिनांक 11.06.2018 को केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल की बैठक 11 बजे प्रारंभ किया गया जिसमें अध्यक्ष प्रो. दिनेश नंदिनी परिहार एवं सदस्य डॉ. अनुप परसाई तथा डॉ. नितेश कुमार मिश्र उपस्थित हुये किन्तु कोरम के अभाव में बैठक स्थागित की गई।

अध्ययन मंड़ल की बैठक को पुनः 12 बजे से प्रारंभ किया गया जिसमें बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा कर विषय के औचित्य के अनुसार संशोधित करते हुये बिन्दुवार निर्णय लिया गया।

| संशोधित पाठ्यक्रम | संशोधन का औचित्य |
|---|---|
| **बी.ए. प्रथम वर्श के पाठ्यक्रम में निम्न संशोधन किया गया।**<br>(1) प्रथम प्रश्न पत्र भारत का इतिहास (हड़प्पा सभ्यता से 319 ई.) को यथावत रखा गया।<br>(2) द्वितीय प्रश्न पत्र प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाओं को विलोपित किया गया और उनके स्थान पर द्वितीय प्रश्न पत्र के रूप में भारत का राजनैतिक इतिहास 319 से 1300 ई.तक को जोडा गया। | पूर्व के पाठ्यक्रम में दोनों प्रश्न पत्र में क्रमबद्धता नहीं थी और राजनीतिक इतिहास में क्रमबद्धता अत्यंत आवश्यक है, इसलिए प्रथम वर्ष के लिए प्राचीन भारत का समग्र राजनीतिक इतिहास को क्रमबद्ध रूप से प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में रखा गया है। |
| **बी.ए. द्वितीय वर्श में निम्न संशोधन किये गये ।**<br>(1) भारत का राजनैतिक इतिहास 319 से 1300 ई.तक को और द्वितीय प्रश्न पत्र "अ" प्राचीन भारतीय धर्म दर्शन (वैदिक काल से 13 वीं शताब्दी) **को विलोपित किया गया।**<br>(2) प्रथम प्रश्न पत्र प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्था को जोड़ा गया। जिसकी सभी ईकाईयॉ पूर्ववत् रहेगेंह<br>(3)प्रश्न पत्र द्वितीय "ब" प्राचीन भारतीय राजनय प्रशासन को यथावत रखा गया। | प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन का प्रश्न पत्र बी.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विषय वस्तु गंभीर और विस्तृत होने के कारण इसे विलोपित किया है और भारत के राजनीतिक इतिहास को क्रमबद्धता लाने के लिए प्रथम वर्ष में जोड़ा गया। |
| **बी.ए. तृतीय वर्श के पाठ्यक्रम में पूर्व के तीनों प्रश्न पत्रों को आंशिक संशोधन करते हुये यथावत रखा गया।**<br>(1) प्रथम प्रश्न पत्र भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व के द्वितीय इकाई में मंदिर वास्तु के उद्भव एवं विकास एवं विभिन्न शैलियों नागर, बेसर एवं द्रविड को जोड़ा गया। | भारतीय वास्तु तथा कला के प्रश्न पत्र में आंशिक परिवर्तन कर उसे क्रमबद्ध रूप देते हुए स्पष्ट किया गया।<br>अभिलेख एवं पुरालिपि के प्रश्न पत्र में आंशिक परिवर्तन करते हुए कुछ इकाई 2 एवं 3 में अभिलेखीय महत्व को ध्यान में रखते हुए कुछ नये अभिलेखो को जोडा गया।<br>यूनिट 4 एवं 5 को क्रमबद्धता स्वरूप प्रदान करते हुए कुछ परिवर्तन कर स्थानीय एवं राष्ट्रीय महत्व की मुद्राओं को जोड़ा गया। |
| इकाई IV में प्राचीन भारत मूर्ति पूजा के उद्भव एवं विकास को जोड़ा गया।<br>(2) द्वितीय प्रश्न पत्र "अ" को यथावत रखा गया तथा "ब" पुराभिलेख एवं मुद्रा शास्त्र में आंशिक संशोधन करते हुये इकाईयों का पुर्ननिर्धारण किया गया।<br><br>इकाई I को यथावत रखा गया इकाई II एवं III में निम्नलिखित ऐतिहासिक महत्व के कुछ अभिलेखों को | |

जोड़ा जिनका विवरण निम्न है।

इकाई II

(1) अशोक का द्वितीय अभिलेख
(2) अशोक का बारहवां अभिलेख
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख
(5) खारवेल का हाथिगुंफा अभिलेख
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ अभिलेख

इकाई III

(1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख

इकाई IV

इतिहास की पुर्नरचना में मुद्रा का महत्व, मुद्रा का उद्भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के

इकाई V

कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षाशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्रायें स्थानीय मुद्रायें (शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश)।

- **बी.ए. तृतीय वर्श के प्रायोगिकीय का पाठ्यक्रम यथावत रहेगा।**

नोट– बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी सातों प्रश्न पत्र का पॉचों इकाईयों का सत्यापित संशोधित एवं टंकित पाठ्यक्रम अंग्रेजी में अनुवाद के साथ केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल कार्यवृत्त रजिस्ट्रर में साथ संलग्न किया गया है।

| | | |
|---|---|---|
| (प्रो.दिनेश नंदिनी परिहार) | (डॉ. अनुप परसाई) | (डॉ. नितेश कुमार मिश्र) |
| अध्यक्ष | सदस्य | सदस्य |
| केन्द्रीय अध्ययन मंडल | केन्द्रीय अध्ययन मंडल | केन्द्रीय अध्ययन मंडल |

**बी.ए. तृतीय वर्श**

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

**B.A. Part III Paper I**

भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व (पेपर कोड 0266)

Elements of Ancient Indian Architecture and Art

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 हड़प्पा कालीन वास्तु, मौर्य कालीन वास्तु, स्तूप वास्तु (सांची, भरहुत तथा अमरावती), पश्चिमी भारत के चैत्यगृह तथा विहार– भाजा, कार्ले, कोण्डाने, अजंता और एलोरा।
(Architecture of Harappan period, Mauryan period; Stupa Architecture (Sanchi, Bharhut and Amravati), Chaityas and Viharas of Western India (Bhaja, Karle, Konden, Ajanta and Ellora)

इकाई– 2 मंदिर वास्तु का उद्भव एवं विकास, मंदिर वास्तु की विभिन्न शैली–नागर, बेसर एवं द्रविड़।
(Origin and development of Temple Architecture, Various Styles of Temple Architecture – Nagara, Vessara & Dravida)

इकाई– 3 मूर्तिकला–हड़प्पा कालीन, मौर्यकालीन, शुंभकालीन, कुषाण कालीन (गांधार एवं मथुरा)।
(Iconography – Harappa period, Mauryan period, Shunga period, Kushana period (Gandhara & Mathura)

इकाई– 4 प्राचीन भारत में मूर्ति पूजा का उद्भव एवं विकास (विष्णु, शिव, बौद्ध एवं जैन प्रतिमा के विशेष संदर्भ में)।
(Origin and development of idol worship in Ancient India, with special reference to Vishnu, Shiva, Jaina & Buddhist sculptures)

इकाई– 5 प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिधंनपुर की चित्रकला, काबरा पहाड़ एवं अंजता और बाघ की चित्रकला।
(Pre-historic paintings, Painting of Singhanpur and Kabrapahar, Ajanta & Bagh Paintings)

अनुशंशित ग्रंथ :


1. वासुदेव शरण अग्रवाल – भारतीय कला भाग–1
2. रामनाथ मिश्र – भारतीय मूर्तिकला
3. कृष्णदत्त बाजपेयी – भारतीय वास्तुकला का इतिहास
4. वासुदेव उपाध्याय – प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर
5. कृष्णदत्त बाजपेयी एवं संतोष कुमार बाजपेयी – भारतीय कला
6. सच्चिदानंद पांडेय – मंदिर स्थापत्य का इतिहास
7. जयनारायण पांडेय – भारतीय कला
8. मारूतिनंदन प्रसाद तिवारी तथा कमल गिरी – भारतीय प्रतिमा विज्ञान
9. ए.एल. श्रीवास्तव – भारतीय कला
10. A.. Coomarswami - History of Indian and Indonesian Art
11. Percy Brown - Indian Architecture, Vol. I
12. Krishnadeva - Temples of North India
13. S.Kramrisch - Hindu Temple Part I & II

**बी.ए. तृतीय वर्श**
द्वितीय : प्रश्न–पत्र (अ)
**B.A. Part III Paper II (A)**
भारतीय पुरातत्व के मूलतत्व (पेपर कोड 0267)
Elements of Indian Archaeology

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 पुरातत्व विज्ञान की परिभाषा, विस्तार क्षेत्र का अध्ययन, अन्य विषयों से संबंध।
(Definition, extent and relationship of Archaeology with other branches of Studies)

इकाई– 2 भारत में पुरातत्व का इतिहास, प्राचीन स्थलों की खोज एवं तिथि निर्धारण।
(History of Indian Archaeology, Discovery of Ancient Sites and Dating Methods)

इकाई– 3 उत्खनन–विधियॉ, सर्वेक्षण, स्तर विन्यास, उत्खनन का लेखा–जोखा।
(Methods of Excavation, Survey, Stratification, Documentation of excavation)

इकाई– 4 भृदभाण्ड, गैरिक भृदभाण्ड, चित्रित धूसर भृदभाण्ड, काले और लाल भृदभाण्ड, उत्तरी कृष्ण मर्जित भृदभाण्ड (एन.वी.पी.)।
(Pottery: Ochre Coloured Pottery (O.C.P.), Painted Grey Ware (P.G.W.), Black & Red Ware (B.R.W.), Northern Black Polished Ware (N.B.P.W.)

इकाई– 5 प्रमुख पुरास्थलों का अध्ययन–
कालीबंगा, एरण, कौशाम्बी, हस्तिनापुर, ब्रह्यगिरी, सिरपुर, मल्हार।
(Important Archaeological sites: Kalibangan, Eran, Koshambi, Hastinapur, Brahmgiri, Sirpur, Malhar)

अनुशंशित ग्रंथ :


1. के.डी. बाजपेयी – मध्यप्रदेश का पुरातत्व
2. आर.एम. व्हीलर – पृथ्वी से पुरातत्व
3. बी.एन.पुरी – पुरातत्व विज्ञान
4. जयनारायण पाण्डेय – पुरातत्व विमर्श
5. राकेश प्रकाश पाण्डेय – पुरातत्व विज्ञान
6. मदन मोहन सिंह – पुरातत्व की रूपरेखा

"अथवा"

**बी.ए. तृतीय वर्ष**

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (ब)

**B.A. Part III Paper II (B)**

(ब) पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व (पेपर कोड 0268)

Elements of Palaeography and Numismatics

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 (1) प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व।
(Significance of Epigraphy for writing Ancient Indian History)
(2) लेखन कला का उद्भव एवं विकास।
(Origin and development of writing skill)
(3) अभिलेखों में प्रयुक्त भाषायें, लिपियॉ तथा सामग्री।
(Languages, Scripts and materials used for Inscriptions)

इकाई– 2 निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व : (Historic significance of the following Inscription)
(1) अशोक का द्वितीय शिलालेख। ($2^{nd}$ rock edict of Ashoka)
(2) अशोक का बारहवां शिलालेख। ($12^{th}$ rock edict of Ashoka)
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर स्तम्भलेख। (Besnagar Pillar Inscription of Heliodorus)
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख। (Nasik Inscription of Gautamiputra Satkarni)
(5) खारवेल का हाथिगुफा अभिलेख। (Hanthigumpha Inscription of Kharvela)
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ (Junagarh Inscription of Rudradaman)

इकाई– 3 (1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख। (Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta)
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख। (Aihole Inscription of Pulakeshin – II)
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख। (Banskhera Inscription of Harsha)
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख। (Lakshman temple Inscription of Queen Vasta)
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख। (Ratanpur Inscription of Jajalladeva)

इकाई– 4 इतिहास की पुर्नरचान में मुद्रा का महत्व, मुदा का उद्भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के ।
(Significance of Numismatics for writing Ancient Indian History, Origin and antiquity of Coins, Minting Techniques of Coins, Punch-Marked Coins)

इकाई– 5 कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्राये स्थानीय मुद्राये शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश।
Kushana Coins, Janpada Coins (Taxila, Kaushambi, Eran), Gupta coins, Gold, Silver and Copper coins of Samudragupta, Chandragupta-II and Kumaragupta; Regional coins: Sharabhpuriya, Nala, Kalachuri)

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. डी.सी.सरकार – इंडियन एपिग्राफी
2. डी.सी.सरकार – सेलेक्ट इन्सक्रिप्शन्स भाग 1 व 2
3. एस.एच.दानी – इंडियन पैलियोग्राफी
4. वासुदेव बाजपेयी – प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्यय
5. कृष्णदत्त बाजपेयी, कन्हैयालाल अग्रवाल संतोष कुमार बाजपेयी –ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख
6. परमेश्वरी लाल गुप्ता – प्राचीन भारतीय मुद्राऍं
7. डी.सी.सरकार – स्टडीज एवं इंडियन क्वाएन्स
8. ए.के.शरण – ट्राइबल क्वाएन्स
9. भास्कर चट्टोपाध्याय – द एज ऑफ दि कुषाणजःए न्यूमिस्मेटिक स्टडी
10. ए.एस. अल्तेकर – गुप्तकालीन मुद्राऍं
11. राजवंत राव – प्राचीन भारतीय मुद्राऍं


**प्रायोगिक तथा मौखिक परीक्षा**

पूर्णांक – 50

1. किसी महत्वपूर्ण पुरातात्विक/ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण एवं विवरण प्रस्तुति – 20 अंक
2. पुरावस्तुओं की पहचान – 20 अंक
3. मौखिकी – 10 अंक

**योग – 50 अंक**

| ( डॉ. दिने□ा नंदिनी परिहार ) | ( डॉ. अनुप परसाई ) | ( डॉ. नितें□ा कुमार मिश्र ) |
|---|---|---|
| अध्यक्ष | सदस्य | सदस्य |

केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल